

MAHILA MANDAL : A SUCCESS STORY



# महिला मंडल : सफलता की कहानी

## (MAHILA MANDAL : A SUCCESS STORY)

### उद्देश्य

इस फ्लैशकार्ड का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को यह बताना है कि जीवन की समस्याओं को हल करने के लिए महिला मंडल जैसे सामूहिक प्रयत्न व्यक्तिगत प्रयत्नों से अधिक अच्छे साबित होते हैं। महिला मंडल के माध्यम से गांव की महिलाएं मिल-जुल कर स्वयं ही अपनी आर्थिक और सामाजिक स्थिति को सुधार सकती हैं। मंडल के कार्यक्रमों को गांव तथा ब्लॉक स्तरों के प्रशासन का समर्थन प्राप्त होता है।

महिला मंडल के गठन और कार्यों के बारे में भी आवश्यक जानकारी दी गई है।

### PURPOSE

This flashcard set aims at telling rural women that collective efforts like Mahila Mandal are more effective than individual efforts made to solve their multifarious problems. Rural women themselves can improve their socio-economic conditions through Mahila Mandals. The programmes of these organisations are supported by the local administration at village and block levels.

Functional and organisational aspects of a Mahila Mandal have also been discussed.

Direction

Virendra Tripathi

Consultancy

Smt. Sheela Trivedi

Commentary

Virendra Tripathi  
Anand Prakash

Art Work

B. Roy Chowdhry

Produced by

Literacy House  
P. O. Alambagh  
Lucknow-226 005, U. P., India

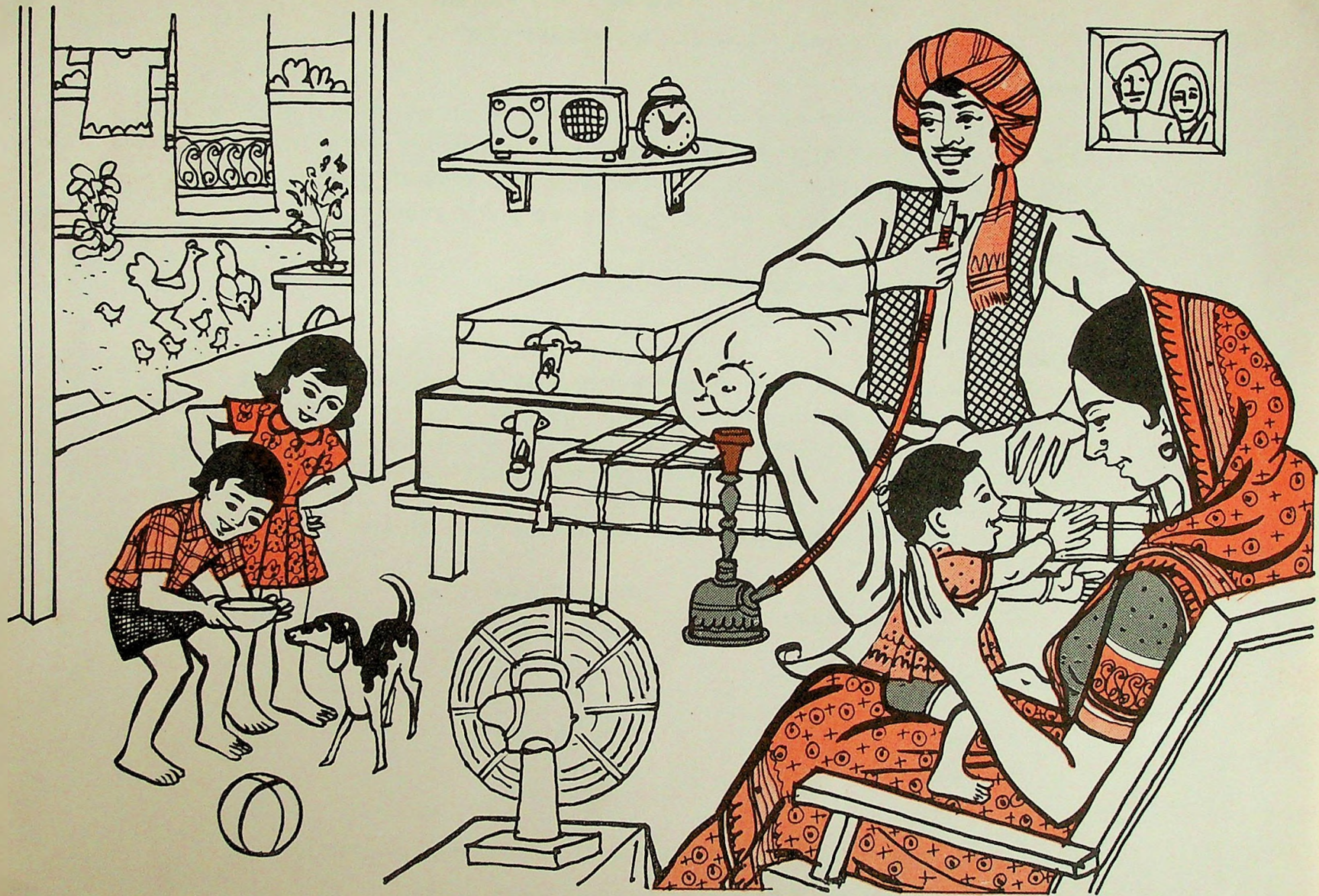
All rights reserved

Price Rs. 10.00 Per Set

5,000 copies, Dec. 80

Printed at Prakash Packagers, 257-Golaganj, Lucknow (U. P.)







- 16      महिला मंडल के सदस्यों की लगन और मेहनत का बड़ा मीठा फल मिला । गांव के परिवारों की आमदनी बढ़ी । परिवारों में खुशहाली आई । खाना, कपड़ा, घर, स्वास्थ्य और पढ़ाई की जरूरतें पूरी होने लगीं । गांव में दूध-घी की कमी पूरी हुई और एक आरामदेह जिन्दगी जीने के लिए जरूरी साधन जुट सके ।

The Mahila Mandal's sincere efforts bore sweet fruits. Family income in the village increased. Prosperity, happiness and comfort became the common features of the village life. The necessities of health, education, home, food, clothes etc. remained no longer a problem.



सहकारी दुग्ध केन्द्र  
Co-operative Milk Centre

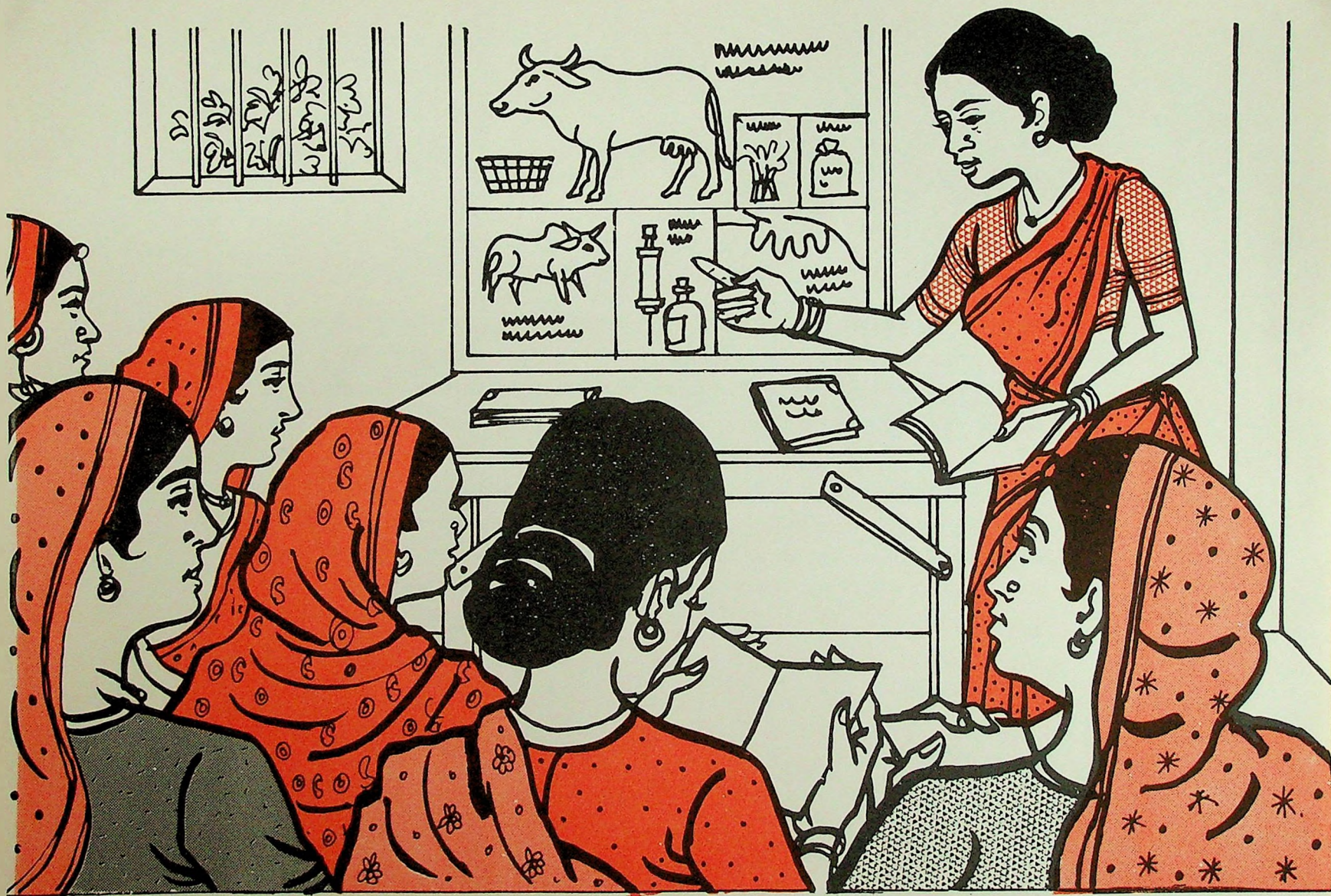




- 15 महिला मंडल ने सहकारी दुग्ध उत्पादन समिति से बातचीत करके एक सहकारी दुग्ध केन्द्र खोला। इस केन्द्र में समूचे गांव का दूध इकट्ठा किया जाने लगा। फिर मंडल ने सहकारी दुग्ध समिति से सम्पर्क किया। इस समिति की गाड़ी हर दिन निश्चित समय पर गांव में आने और केन्द्र से दूध इकट्ठा करके ले जाने लगी। इस तरह दूध की बिक्री की समस्या हल हो गई।

The Mahila Mandal, in cooperation with Cooperative Milk Union, opened a Milk Centre in the village where milk from the entire village was brought. The District Cooperative Milk Union agreed to send its milk van daily to the village to collect the milk. In this way the problem of marketing of the milk was solved.







14

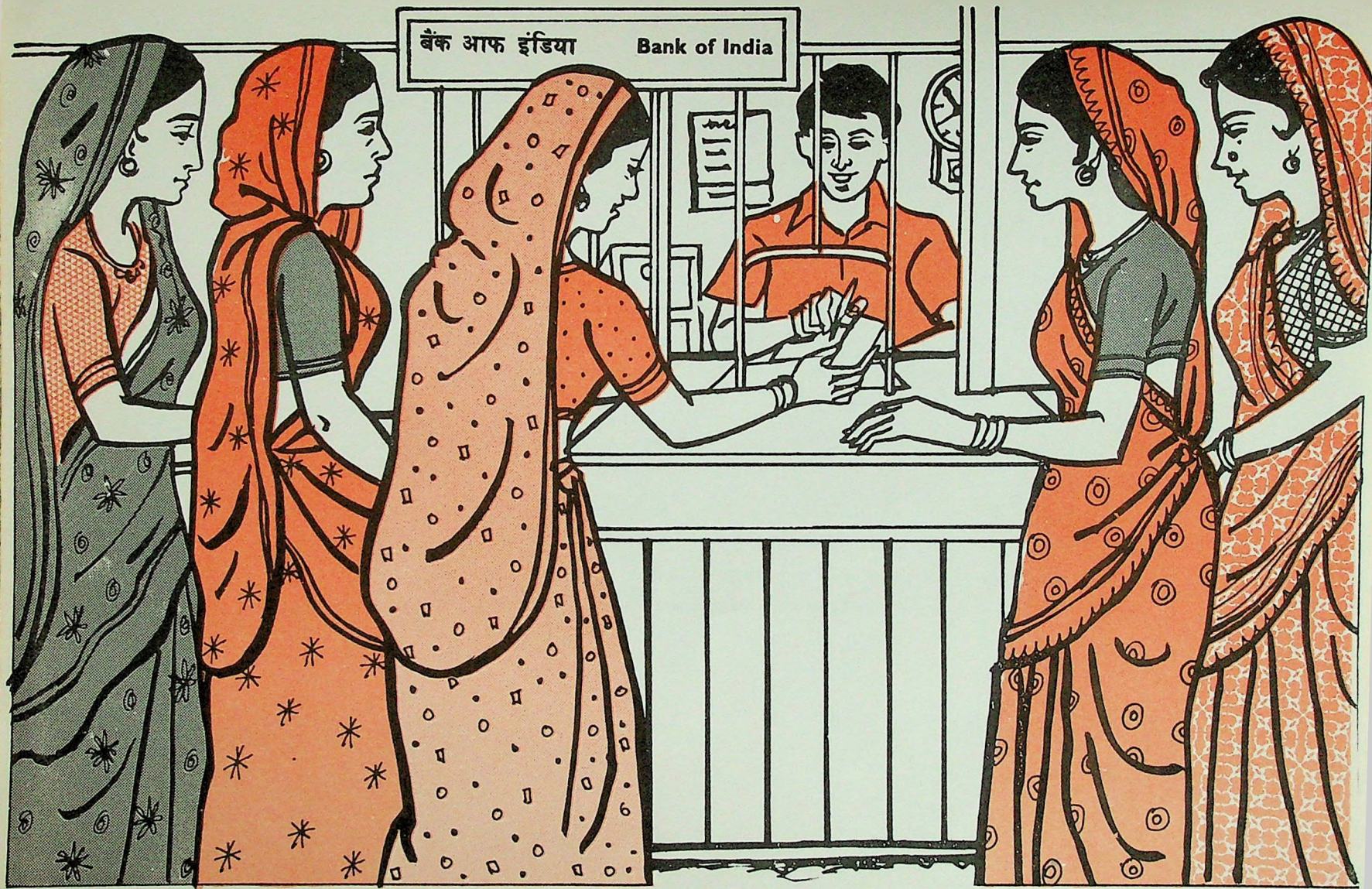
अध्यक्ष फूलकली इस बात को अच्छी तरह समझती थी कि जब तक गांव की अपढ़ महिलाओं को पढ़ाया नहीं जायेगा तब तक वे गोपालन का धंधा भलीभाँति नहीं कर सकतीं। पढ़ी-लिखी महिलायें गोपालन के लिए जरूरी जानकारी को सुरक्षित रख सकती हैं जबकि अपढ़ महिलाएँ ऐसा नहीं कर सकतीं।

इसलिए महिला मंडल की ओर से महिलाओं के लिए साक्षरता कक्षा खोली गई।

Phoolkali knew very well that illiteracy among women hampers to a great extent in the proper rearing of cows of improved breed. Literate women can preserve their knowledge of cattle-rearing while illiterate women can not do so.

For this reason, a Literacy class was started for illiterate women of the village.







- 13 फूलकली, रामदेई और रामेश्वरी समेत गाँव की बहुत सी महिलाओं ने बैंक (बैंक आफ इंडिया) से उन्नतशील नस्ल की गायें खरीदने के लिए ऋण ले लिये ।

फलस्वरूप गांव के बहुत से परिवारों की चौपालों में उन्नतशील नस्ल की गायें बंधी दिखाई पड़ने लगीं ।

Many village women including Phoolkali, Ramdei and Rameshwari procured loans from the local bank (Bank of India) for purchasing improved breed cows.

Consequently many such cows were purchased by a majority of families.







12

अध्यक्ष फूलकली ने ग्रामसेविका के सहयोग से ६ महीने के अन्दर ही बहुत सारे काम करवाये । जैसे—

—पास के बिजनौर फार्म में गांव की हर गाय को कृत्रिम तरीके से गर्भित किया गया ।

—हर जानवर को बीमारियों का टीका लगवाया गया ।

—खेतों में बरसीम, रिजका, बारहमासी घासों की फसलें लहलहाने लगीं ।

—पंचायत से प्रार्थना करके गांव समाज की भूमि के कुछ हिस्से को चरागाह के लिए छोड़ दिया गया ।

The Chairman Phoolkali got many things done, with the help of Gram Sevika, within six months of the formation of the Mahila Mandal.

—Every cow of the village was inseminated at the nearby Bijnaur Bull Mother Farm.

—Village cattles were inoculated.

—Acreage of green fodder (Barseem, Rijka, etc) fields increased to a great extent.

—A portion of Gaon Samaj land was set aside by the Panchayat for the purpose of being used as pasture land.





## गोपालन का धंधा Dairy Farming

१. हर घर में दुधारू गायेँ  
Milch cattle in every house.
२. देसी नस्ल-उत्पादन सिर्फ एक लीटर  
Local Breed and Poor Yield.
३. उचित देखभाल की अज्ञानता  
Poor Management.



11

इस विचार-विमर्श में आमदनी बढ़ाने के कुछ सुझाव सामने आये जैसे सिलाई-बुनाई की कक्षा प्रारम्भ की जाय, नये रोजगारों में प्रशिक्षण दिया जाय। ललिता ने बताया कि शुरुआत हम उन धन्धों से करें जिनके बारे में हमें जानकारी है जैसे हम सब लोग दुधारू जानवर पालते हैं। उनके पालन-पोषण का दायित्व हम पर है। इस धन्धे को हम कैसे लाभदायक बना सकते हैं? इस पर चर्चा करने पर तीन बातें उभर कर आईं।

—भदरसा गांव में हर घर में दुधारू गायें हैं। गोपालन का धन्धा महिलाएं आसानी से कर सकती हैं।

—गायें देशी नस्ल की हैं और हर गाय औसतन सिर्फ एक लिटर दूध रोजाना देती है।

—गायों की नस्ल, खान-पान, देख-रेख के बारे में महिलाओं को कोई जानकारी नहीं है।

यह देखिये, ललिता ने इन तीनों बातों को ब्लैक बोर्ड पर लिख दिया है। इसके बाद ग्रामसेविका ने इस धन्धे को सफल बनाने के लिए उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी दी।

A few suggestions were made such as—sewing and knitting classes should be started, vocational training programmes be organised etc. Lalita suggested that a beginning should be made with those vocations which we are already familiar with. Cattle-rearing is one of such vocations. Let us think how can we make the cattle-rearing a profitable profession.

In the discussion three main issues emerged :

—In every family of the village milch cows are reared :

—The breed of cows is local and their milk-yield is poor (not more than one liter a day).

—Women are ignorant of proper methods of breeding, feeding and management of cattles.

You can see, Lalita has written down these three issues on a black board.

Gram Sevika, at the end of the meeting, enlightened the committee members on the facilities available for rearing cows on scientific lines.



मंत्री  
Secretary

अध्यक्ष  
President

कोषाध्यक्ष  
Treasurer





10

अगली बैठक में ललिता ने कार्यकारिणी समिति का चुनाव कराया । फूलकली को अध्यक्ष, रामदेई को मंत्री तथा रामेश्वरी को कोषाध्यक्ष चुना गया ।

फिर कार्यकारिणी समिति की बैठक शुरू हुई । सबसे पहला काम फूलकली ने यह किया कि उसने गांव के प्रधान, ब्लाक प्रमुख तथा ब्लाक के बी० डी० ओ० को महिला मंडल के गठित होने की लिखित सूचना भेज दी ।

इसके बाद इस विषय पर चर्चा शुरू हुई कि इस गांव के परिवारों की आमदनी कैसे बढ़ाई जाय । चर्चा के समय ग्रामसेविका को भी सलाह देने के लिए बुलाया गया ।

In the next meeting, the executive committee was formed. Phoolkali, Ramdei and Rameshwari were elected President, Secretary and Treasurer respectively.

The first step which Phoolkali took, in meeting of the executive committee, was that she intimated to village Pradhan, Block Pramukh and B. D. O. that a Mahila Mandal in Bhadarsa village had been formed.

Then the discussion revolved around how income of the families can be increased. Gramsevika, of the area, was also invited to participate in the discussion.







9

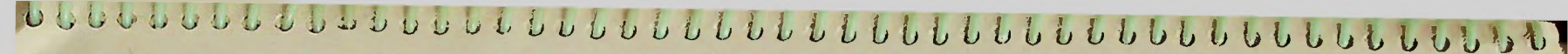
ललिता ने और भी बहुत सी बातें बताईं। जैसे, इन कार्यक्रमों को तय करने के लिए महिला मंडल की बैठकें हर महीने हुआ करेंगी। जरूरत पड़ने पर विशेष बैठकें भी हो सकती हैं। महिला मंडल अपने सदस्यों में से ७, ९ या ११ महिलाओं की एक कार्यकारिणी समिति चुनेगा। इस समिति में एक सभापति, दूसरी मंत्री, तीसरी कोषाध्यक्ष और बाकी महिलायें सदस्य होंगी। सदस्यों की सलाह से अध्यक्ष महिला मंडल के कार्यक्रम निश्चित करेगी। मंत्री इस बात के लिए जिम्मेदार होगी कि सारे कार्यक्रम भली प्रकार कार्यान्वित हों। कोषाध्यक्ष सदस्यों के चन्दे, भरती फीस, सरकारी अनुदान, ऋण आदि का लेखा-जोखा रखेगी। महिला मंडल को मिलने वाला धन महिला मंडल के नाम से डाकखाने के बचत बैंक खाते में जमा कर दिया जायेगा। हिसाब की जांच (ग्राम सेविका की सहायता से) सभापति करेगी।

इतना सब बताने के बाद उसने महिलाओं के प्रश्नों के उत्तर दिये और अगली मीटिंग में अधिक से अधिक महिलाओं को लाने के लिए कहा। यह भी बताया कि अगली मीटिंग में कार्यकारिणी समिति का चुनाव करके विधिवत महिला मंडल का गठन कर लेंगे।

Lalita enlightened the rural women on many other things. She told that meetings of the Mahila Mandal will be organised every month in addition to special meetings which can be convened when needed. Mahila Mandal will elect an executive committee comprising of 7, 9 or 11 members. These members will elect a President, a Secretary and a Treasurer from amongst themselves. The President will be advised by the members for planning various programmes of the Mandal. The Secretary will see that the programmes are executed properly. The Treasurer will maintain records of subscription, membership fee, subsidies, loans etc. The income of Mahila Mandal will be deposited in a Post Office Savings Bank A/c. The Chairman, with the help of Gramsevika of the area, will check the account.

Then Lalita replied many queries of the women and requested them to bring more women in the next meeting so that the executive committee may be elected.







- 8      **सहकारी समिति द्वारा उद्योग धंधों का माल बेचना—**जैसे दूध, बान, पंखे, चटाई, सूखे मसाले आदि । इस समिति को स्वयं महिला मंडल ही संचालित कर सकती है । इससे बढ़ती कीमतों के रोकने में मदद मिलेगी और अच्छी किस्म का सामान आसानी से मिल सकेगा । इसके अलावा महिला मंडल सांस्कृतिक और मनोरंजन के काम भी अपने सदस्यों और गांव वालों के लिए आयोजित कर सकता है जैसे भजन-कीर्तन, रामायण-पाठ के कार्यक्रम आदि ।

**Cooperative Society and Marketing—**Mahila Mandal can run a Cooperative Society to market the products of the home based small scale industries. This will also check rise in prices and ensure availability of fine quality goods.

Mahila Mandal may also organise cultural and entertainment programmes like Bhajans, Kirtans, recitation of Ramayana etc.







7

**उद्योग धन्धे स्थापित करना**—जैसे बान बनाना, सिलाई-कढ़ाई का काम करना, सूखे मसाले पीसना, पंखे-चटाई बनाना, मोमबत्ती बनाना । जिन परिवारों में जमीन कम है या जमीन बिल्कुल नहीं है, जो परिवार बहुत बड़े हैं या जिन परिवारों में सबको पूरा-पूरा काम नहीं मिलता या रोजगार का कोई साधन नहीं है, उन परिवारों की महिलाओं के लिए ये धन्धे आमदनी बढ़ाने में मदद देंगे । महिला मंडल की सहायता से इन धन्धों को करने वाली महिलाओं के लिए प्रशिक्षण तथा ऋण की व्यवस्था की जा सकती है ।

**Cottage Industries**—Ban-making, mat-making, fan-making, sewing and knitting, masala-grinding, may be a few potential industries. These industries will help the women who have small holdings and big families of underemployed and unemployed persons. The women may also be helped to get loans and be trained for establishing such industries.



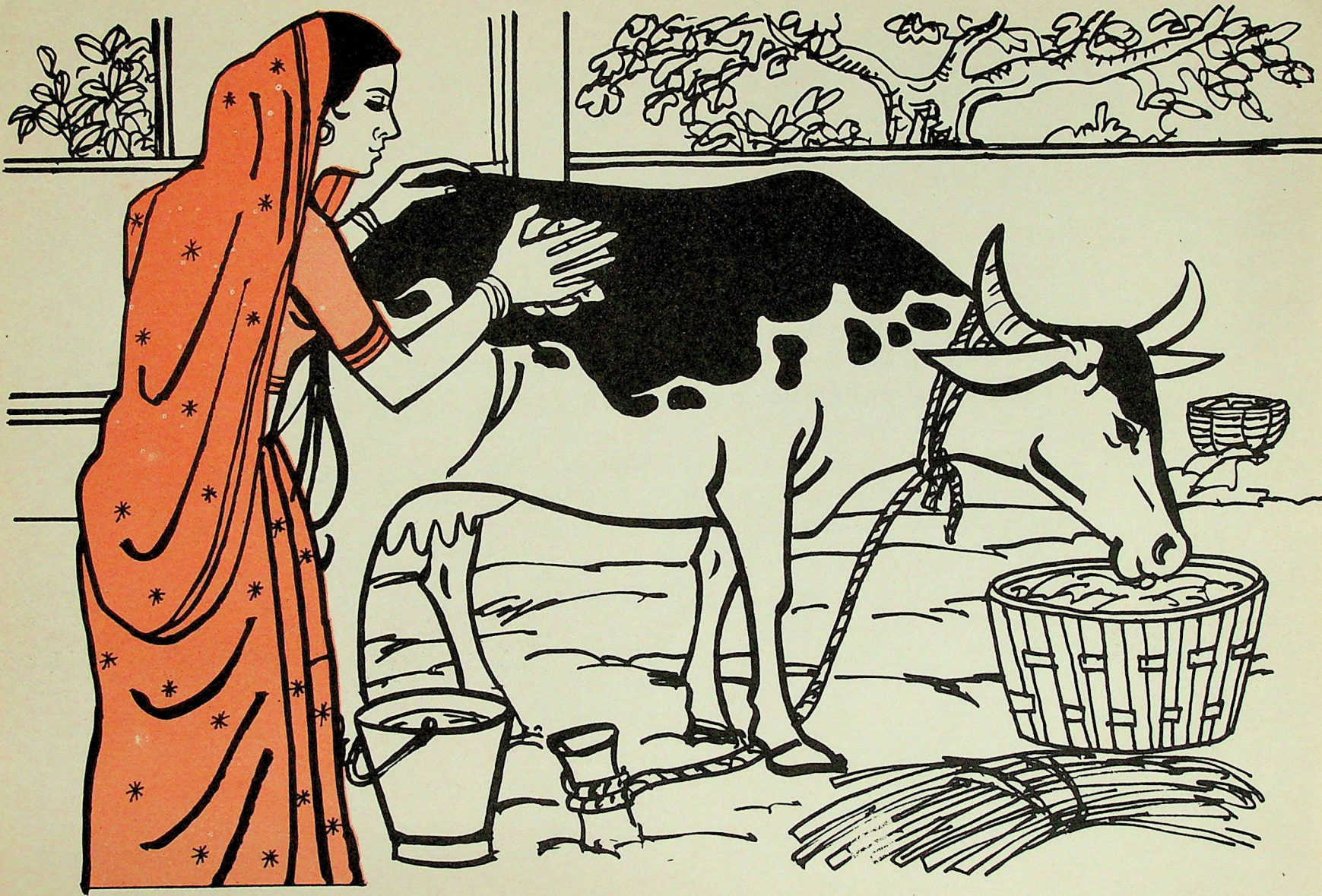




- 6      **जन-स्वास्थ्य के काम**—जैसे बच्चों को टीके लगवाना, महिलाओं को नियोजित परिवार बनाये रखने के लिए स्वास्थ्य केन्द्रों पर ले जाना, घरों में सोकपिट बनवाना, गोबर गैस प्लांट लगवाना, घरों में सुधरे हुए शौचालय बनवाना, बाल-पोषण के बारे में माताओं को बताना, प्रसूति सेवाओं की व्यवस्था करना।

**Public Health**—Getting children immunized, convincing women of the need for planned families, making soak-pits, installing cowdung-gas plants and improved laterines, enlightening women on children's food, arranging for maternity services.







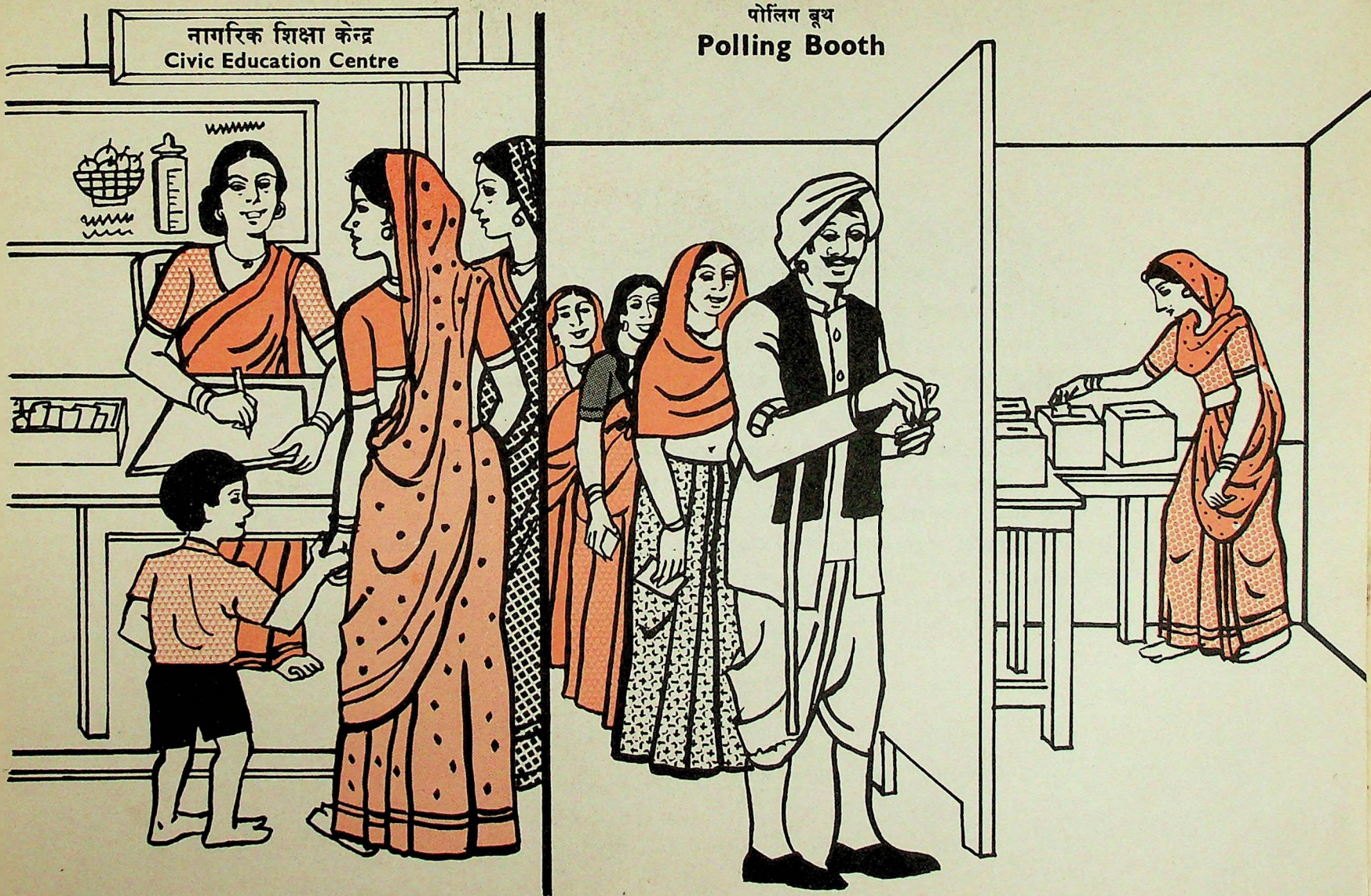
- 5      **खेती व पशुपालन के काम**—जैसे उन्नतशील नस्ल की गायें पालना, मुर्गी-पालन करना, वैज्ञानिक तरीके से रोपाई-निराई करना, अनाज भंडारण करना, कम्पोस्ट बनाना आदि। इन कामों के लिए महिला मंडल की ओर से ट्रेनिंग, ऋण लेने की सुविधा, प्रदर्शनी आदि का प्रबन्ध किया जा सकता है।

**Agriculture and Animal Husbandry**—Rearing improved breed cows, poultry-keeping, adopting scientific methods of transplanting seedlings, weeding, compost-making and grain storage etc. Mahila Mandal may make suitable arrangements for procuring loans, arranging exhibitions and organising training courses for the above purposes.



नागरिक शिक्षा केन्द्र  
Civic Education Centre

पोलिंग बूथ  
Polling Booth





4

**नागरिक शिक्षा के काम**—इन कार्यों के अन्तर्गत महिला मंडल अपने सदस्यों को नागरिक शिक्षा का ज्ञान देगा और उन्हें उनके अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करेगा। इसके अलावा निम्न प्रकार के नागरिक शिक्षा के कार्यक्रमों में भाग लेगा जैसे—पंचायत के चुनावों में महिलाओं को खड़ा करना, गांव सभा की बैठकों में महिलाओं को उपस्थित रहने के लिए प्रेरित करना, महिलाओं को चुनावों में वोट डालने के लिए प्रोत्साहित करना, महिला कल्याण कार्यक्रमों के लिए स्थानीय प्रशासन के संचालन में सहयोग देना आदि।

**Civic Education**—Mahila Mandal may impart civic education to its members and make them conscious of their rights and duties. It may also motivate the women to contest Panchayat elections, attend Gaon Sabha meetings, caste votes at the time of general elections, assist local administration in women welfare programmes etc.







एक बार ललिता ने इन समस्याओं के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए कुछ महिलाओं को इकट्ठा किया। वह बोली, “आपका इस तरह इकट्ठा होना एक बड़ी बात की शुरुआत है। आज मैं आप लोगों के सहयोग से एक ऐसी संस्था की नींव डालने जा रही हूँ जो हमारी आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं के हल ढूँढ़ने में मदद करेगी। इससे हमारे परिवार के रहन-सहन का स्तर ऊँचा होगा। इस संस्था को हम महिला मंडल कहेंगे। आप सब इस महिला मंडल की सदस्य होंगी। अपने गांव की १८ से ४५ साल के बीच की आयु की सभी महिलाएं इसकी सदस्य बन सकती हैं। आप लोग चाहें तो इससे कम उम्र की १२ से १८ साल की नवयुवतियों के लिए अलग से युवती मंडल बनाया जा सकता है। लेकिन आज तो हम इस महिला मंडल की ही बात करें। इस महिला मंडल में हर सदस्य को बहुत थोड़ी भरती फीस (जो आप लोग तय करें) तथा माहवारी चन्दा देना होता है। इस धनराशि का व्यय आप सबकी राय से आपकी भलाई के कार्यक्रमों पर ही किया जायगा। उस दिन मैंने फूलकली के घर पर आप लोगों की समस्याएं सुनी थीं। यह महिला मंडल उन सभी समस्याओं को सुलझायेगा। यह गांव की सभी महिलाओं की दशा सुधारने के लिए विकास के कार्य करेगा। ये कार्य इस भदरसा गांव की जरूरतों के मुताबिक कई तरह के हो सकते हैं जैसे—

Lalita collected a few women of the village to make them conscious of these problems. Said she, “This assembly is the beginning of a big event. I am going to found an institution which will help us solve our economic and social problems and raise the standard of our living. This institution will be called Mahila Mandal. All of you will be members of this Mandal. Any woman, between 18 and 45, can become its member (young girls between 12 and 18 can form Yuvati Mandal). Each member will pay membership fee (fixed by the members themselves) and a monthly subscription. The amount, so collected, will be spent on your advice, on various welfare programmes. The other day, at Phoolkali's residence, I came to know about many problems, faced by you. To solve these problems and better the lot of the rural women, the Mahila Mandal will be involved in various developmental works like—







2 अपने घर लौट कर ललिता गंभीर होकर सोचने लगी—वे सब बातें जो फूलकली के घर उसने सुनी थीं। बहुत देर तक सोचती रही वह और इस नतीजे पर पहुंची कि :

—इस गांव में बहुत कम औरतें पढ़ी-लिखी हैं और वे अपना खाली समय इधर-उधर की बातें करने में बिता देती हैं।

—परिवार बड़े हैं। खेत छोटे हैं। मजदूरों को रोज मजदूरी नहीं मिलती।

—लगभग हर घर में दुधारू जानवर हैं। लेकिन उनसे कोई आमदनी नहीं होती।

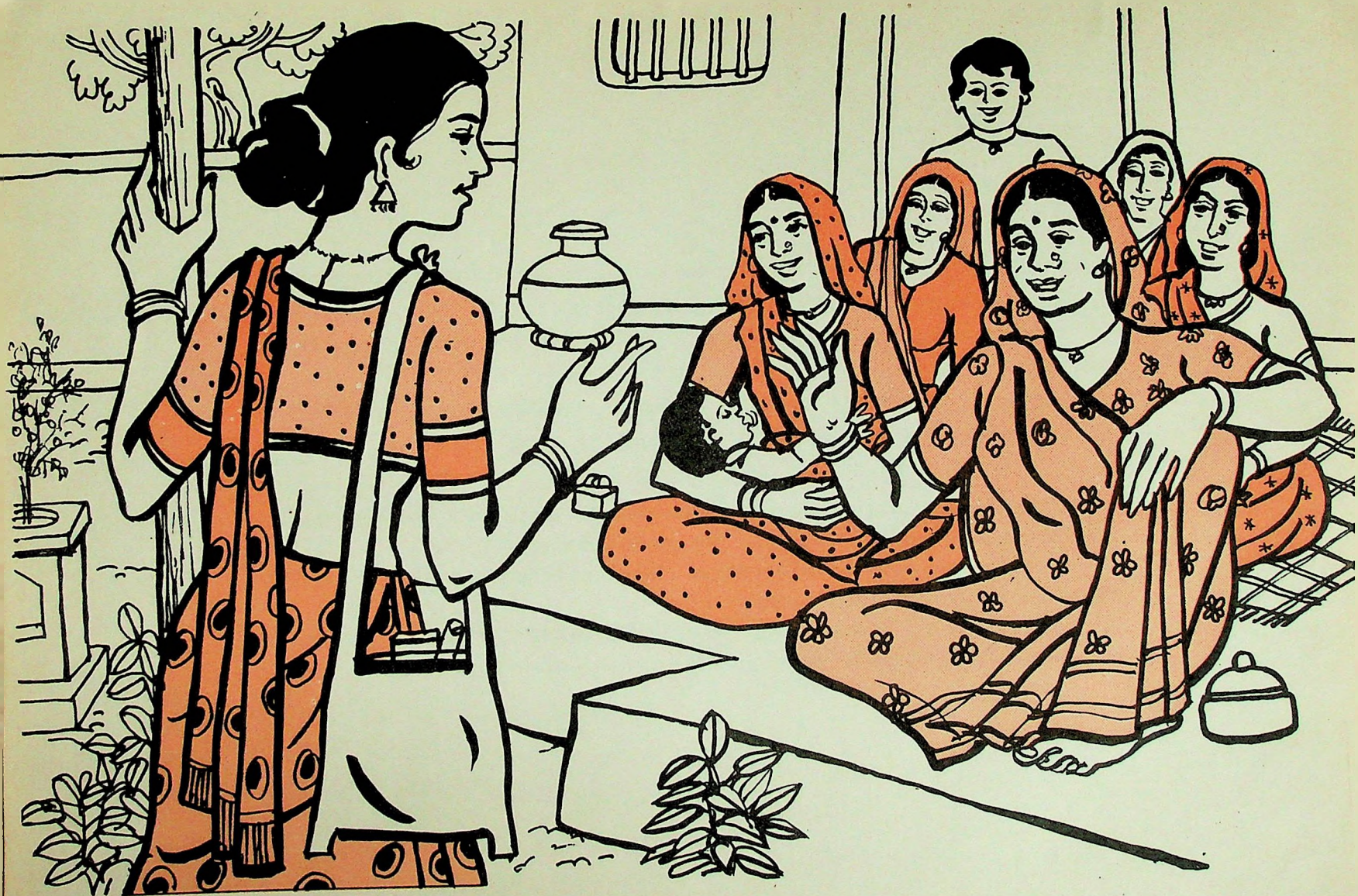
At her home, Lalita pondered over many things—those which she had come to know about at Phoolkali's residence. She concluded that :

—literacy percentage among women of this village is very low. They mis-utilise their leisure time in mere gossiping.

—families are big. Land holdings are small. Labourers are under-employed.

—milch cattles, though reared in almost every family, are hardly a source of income.







- 1 आजकल भदरसा गांव में ललिता नाम की एक नवयुवती दिखाई पड़ती है। घर-घर घूम कर औरतों से खूब घुल-मिल कर बात करती है। एक दिन वह पहुंची फूलकली के घर। दोपहर का समय था। दूसरे घरों की ५-६ औरतें और कुछ बच्चे बैठे हुए थे। “क्या हो रहा है?”, ललिता ने मुस्कराते हुए पूछा। “कुछ नहीं, बहन जी! दोपहर के वक्त कोई काम तो होता नहीं। इधर-उधर की बातें कर रहे हैं।” ललिता भी वहीं बैठ गई और उनसे बातें करने लगी।

Inhabitants of village Bhadarsa, now-a-days very often see a young woman Lalita who frequently meets rural women and talks to them very intimately.

One day, at noon, she went to Phoolkali's house. A few women and children had assembled in her house. Lalita asked smilingly, "What are you doing?"

"Just chatting. What else to do? We are free in noons." Lalita joined them and conversed freely with them.



FLASHCARDS ON

# Mahila Mandal: a success story

महिला मंडल: सफलता की कहानी



A LITERACY HOUSE  
PUBLICATION,  
LUCKNOW, U.P.

